BCM SCHOOL BASANT AVENUE DUGRI ROAD,LUDHIANA
CLASS-VI
SUBJECT-HINDI
ASSIGNMENT-4(ANSWER KEY)

1.अपठित गद्यांश

राजू एक छोटे गाँव का किसान था। पहले वह पारंपरिक तरीकों से खेती करता था — बैल से हल चलाना, बरसात के भरोसे फसल बोना और बिना खाद के खेती करना। लेकिन फसलें अक्सर खराब हो जाती थीं और मेहनत का फल नहीं मिलता था। एक दिन उसने कृषि मेले में जाकर नई तकनीकों के बारे में जाना। उसने सीखा कि कैसे ट्रैक्टर से खेत जोते जाते हैं, कैसे समय पर सिंचाई की जाती है और कैसे जैविक खाद से मिट्टी की गुणवत्ता सुधरती है। राजू ने इन उपायों को अपनाया और उसकी फसलें अब पहले से दोगुनी होने लगीं। अब राजू न केवल अपने गाँव में सबसे सफल किसान है, बल्कि वह दूसरों को भी आधुनिक खेती के तरीके सिखाता है।

1. कथन: राजू की फसलें पहले खराब हो जाती थीं।
   कारण: वह पारंपरिक तरीकों से खेती करता था और खाद का प्रयोग नहीं करता था।
   क) कथन सही है, कारण गलत है।
   ख)कथन गलत है, कारण सही है।
   ग)दोनों सही हैं और कारण कथन को स्पष्ट करता है।
   घ) दोनों गलत हैं।

2.कथन: राजू ने कृषि मेले में नई तकनीकें सीखी।
   कारण: वह अपनी खेती में सुधार नही लाना चाहता था।
   क) कथन सही है, कारण गलत है।
   ख) कथन गलत है, कारण सही है।
   ग) दोनों सही हैं और कारण कथन को स्पष्ट करता है।
   घ) दोनों गलत हैं।

3.राजू की खेती में बदलाव का मुख्य कारण क्या था?
   क) गाँव के लोगों की सलाह
   ख) मौसम में बदलाव
   ग) कृषि मेले में मिली जानकारी
   घ) उसके पिता की मदद

4.राजू ने जैविक खाद का प्रयोग क्यों शुरू किया?
   क) क्योंकि वह सस्ती थी।
   ख) क्योंकि उससे मिट्टी की गुणवत्ता सुधरती है।
   ग) क्योंकि सरकार ने कहा था।
   घ) क्योंकि उसके पास रासायनिक खाद नहीं थी।

5.राजू की फसलें पहले क्यों खराब हो जाती थीं?
   क) वह समय पर बोवाई नहीं करता था।
   ख) वह नई तकनीकें नहीं अपनाता था।
   ग) वह बहुत आलसी था।
   घ) उसके पास खेत नहीं थे।

II.पठित पद्यांश

मैया मैं नहिं माखन खायो ।
भोर भयो गैयन के पाछे, मधुबन मोहि पठायो ।
चहर पहर बंसीतट भटक्यो, साँझ परे घर आयो ।।
मैं बालक बहियन को छोटो, छीको केहि बिधि पायो ।
ग्वाल-बाल सब बैर परे हैं, बरबस मुख लपटायो।। (पृष्ठ 94)

(क) माखन न खाने की बात कौन किससे कहते हैं?
(i) श्रीकृष्ण अपनी माता यशोदा से। (ii) श्रीकृष्ण ग्वाल-बालों से।
(iii) श्रीकृष्ण नंदबाबा से । (iv) श्रीकृष्ण गोपियों से ।
(ख) श्रीकृष्ण माता यशोदा से अपनी सफ़ाई किस प्रकार देते हैं?
(i) मेरे छोटे-छोटे हाथ छींके तक नहीं पहुँचते । (ii) ग्वाल-बाल मेरे मुख पर माखन लगा देते हैं।
(iii) गोपियों ने लगा दिया। (iv) 'क' और 'ख'।
(ग) श्रीकृष्ण कितने पहर गाएँ चराते थे?
(i) चार पहर (ii) दोपहर (iii) तीन पहर (iv) आठ पहर
(घ) श्रीकृष्ण को गाएँ चराने कौन भेजता था ?
(i) उनकी माँ यशोदा । (ii) उनके पिता नंदबाबा ।
(iii) उनके मित्र जो सारा दिन उनके साथ बिताना चाहते थे। (iv) श्रीकृष्ण को स्वयं ही गौएँ चराने का शौक था।
III. एलेसेंड्रा ने भारत आकर सत्रिया नृत्य का फिल्मांकन किया, जो उनके भीतर की सांस्कृतिक जिज्ञासा और सीखने की भावना को दर्शाता है। यह कार्य हमें यह सिखाता है कि कला और परंपराएं सीमाओं से परे होती हैं। उन्होंने भारतीय संस्कृति का सम्मान करते हुए उसे समझने और प्रस्तुत करने का प्रयास किया। इससे हमें विविधता को स्वीकार करने, दूसरों की परंपराओं का आदर करने और खुले मन से सीखने का मूल्य मिलता है। उनका समर्पण यह दर्शाता है कि किसी भी विषय को गहराई से समझने के लिए लगन और अनुशासन आवश्यक है। यह उदाहरण हमें प्रेरित करता है कि हम भी अपनी संस्कृति को जानें और दूसरों की संस्कृति से सीखें। कला के माध्यम से वैश्विक एकता संभव है।

IV बिहु एक कृषि आधारित त्योहार है क्योंकि इसका संबंध सीधे फसल चक्र से है। यह त्योहार खासकर तब मनाया जाता है जब धान की नई फसल तैयार होती है। बिहु के तीन रूप — रोंगाली, काती और भोगाली — खेती के अलग-अलग चरणों को दर्शाते हैं। इसमें किसान अपनी मेहनत की सफलता का उत्सव मनाते हैं। पारंपरिक नृत्य, गीत और व्यंजन इस त्योहार को और भी जीवंत बनाते हैं। यह प्रकृति, उपज और सामूहिक आनंद का प्रतीक है।
V.शब्दार्थ और वाक्य
लजीज
शब्दार्थ: स्वादिष्ट, बहुत अच्छा स्वाद वाला
वाक्य: माँ ने आज रात को लजीज पुलाव बनाया जिसे सबने बहुत पसंद किया।
विधि
शब्दार्थ: तरीका
वाक्य: हमें विज्ञान प्रयोगशाला में प्रयोग करने की सही विधि सीखनी चा
VI.निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलिए।
नृत्यों,द्वारपालों